

# Uruchomienie kina...

written by Archiwum Urzędu Miejskiego w Darłowie | 19 listopada 2020

POM. XXIII.1.1948-456

**Kino „Bajka“ Darłowo**

Egz. Obow. Okręgowy 48

| Lewa strona |     |     |     |     |     |     |     |     |     | Ekran |     |     |     |     |     |     |     |     |     | Prawa strona |      |  |  |  |  |  |
|-------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|--------------|------|--|--|--|--|--|
| I           |     |     | 322 | 321 | 320 | 319 | 318 | 317 | 316 | 315   | 314 | 313 | 312 | 311 | 310 | 309 |     |     |     | I            |      |  |  |  |  |  |
| II          |     | 308 | 307 | 306 | 305 | 304 | 303 | 302 | 301 | 299   | 298 | 297 | 296 | 295 | 294 | 293 |     |     |     | II           |      |  |  |  |  |  |
| III         |     | 292 | 291 | 290 | 289 | 288 | 287 | 286 | 285 | 284   | 283 | 282 | 281 | 280 | 279 | 278 | 277 | 276 | 275 | III          |      |  |  |  |  |  |
| IV          | 274 | 273 | 272 | 271 | 270 | 269 | 268 | 267 | 266 | 265   | 264 | 263 | 262 | 261 | 260 | 259 | 258 | 257 | 256 | 255          | IV   |  |  |  |  |  |
| V           | 254 | 253 | 252 | 251 | 250 | 249 | 248 | 247 | 246 | 245   | 244 | 243 | 242 | 241 | 240 | 239 | 238 | 237 | 236 | 235          | V    |  |  |  |  |  |
| VI          | 234 | 233 | 232 | 231 | 230 | 229 | 228 | 227 | 226 | 225   | 224 | 223 | 222 | 221 | 220 | 219 | 218 | 217 | 216 | 215          | VI   |  |  |  |  |  |
| VII         | 214 | 213 | 212 | 211 | 210 | 209 | 208 | 207 | 206 | 205   | 204 | 203 | 202 | 201 | 200 | 199 | 198 | 197 | 196 | 195          | VII  |  |  |  |  |  |
| VIII        | 194 | 193 | 192 | 191 | 190 | 189 | 188 | 187 | 186 | 185   | 184 | 183 | 182 | 181 | 180 | 179 | 178 | 177 | 176 | 175          | VIII |  |  |  |  |  |
| IX          | 174 | 173 | 172 | 171 | 170 | 169 | 168 | 167 | 166 | 165   | 164 | 163 | 162 | 161 | 160 | 159 | 158 | 157 | 156 | 155          | IX   |  |  |  |  |  |
| X           | 154 | 153 | 152 | 151 | 150 | 149 | 148 | 147 | 146 | 145   | 144 | 143 | 142 | 141 | 140 | 139 | 138 | 137 | 136 | 135          | X    |  |  |  |  |  |
| XI          | 134 | 133 | 132 | 131 | 130 | 129 | 128 | 127 | 126 | 125   | 124 | 123 | 122 | 121 | 120 | 119 | 118 | 117 | 116 | 115          | XI   |  |  |  |  |  |
| XII         | 114 | 113 | 112 | 111 | 110 | 109 | 108 | 107 | 106 | 105   | 104 | 103 | 102 | 101 | 100 | 99  | 98  | 97  | 96  | 95           | XII  |  |  |  |  |  |
| XIII        | 94  | 93  | 92  | 91  | 90  | 89  | 88  | 87  | 86  | 85    | 84  | 83  | 82  | 81  | 80  | 79  | 78  | 77  | 76  | 75           | XIII |  |  |  |  |  |
| XIV         | 74  | 73  | 72  | 71  | 70  | 69  | 68  | 67  | 66  | 65    | 64  | 63  | 62  | 61  | 60  | 59  | 58  | 57  | 56  | 55           | XIV  |  |  |  |  |  |
| XV          | 54  | 53  | 52  | 51  | 50  | 49  | 48  | 47  | 46  | 45    | 44  | 43  | 42  | 41  | 40  | 39  | 38  | 37  | 36  | 35           | XV   |  |  |  |  |  |
| XVI         | 34  | 33  | 32  | 31  | 30  | 29  | 28  | 27  | 26  | 25    | 24  | 23  | 22  | 21  | 20  | 19  | 18  | 17  |     |              | XVI  |  |  |  |  |  |
| XVII        |     | 16  | 15  | 14  | 13  | 12  | 11  | 10  | 9   | 8     | 7   | 6   | 5   | 4   | 3   | 2   | 1   |     |     |              | XVII |  |  |  |  |  |

  

| Loża |   |    |   |     |   |    |   |   |   |
|------|---|----|---|-----|---|----|---|---|---|
| I    |   | II |   | III |   | IV |   | V |   |
| 1    | 2 | 1  | 2 | 1   | 2 | 1  | 2 | 1 | 2 |
|      | 3 | 3  | 4 | 3   | 4 | 3  | 4 | 3 | 2 |

  

| Balkon |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |
|--------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| 1      | 2  | 3  | 4  | 5  | 6  | 7  | 8  | 9  | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 21     | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 |
| 41     | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 |
| 61     | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 |
| 81     | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |    |

P.S.Z.G. Darłowo 102 1500 IV.48

Żeby ożywić życie kulturalne Darłowa, i wynagrodzić mieszkańcom czas, gdy pozbawieni byli jakiegokolwiek rozrywki, postanowiłem uruchomić kino. Lokal kina znajdował się w bezpośrednim sąsiedztwie mojego mieszkania. W związku z tym wziętem „je pod opiekę”, przed zakusami szabrowników. Gdyby poprzedni jego niemiecki właściciel nie zabrał, czy nie ukrył aparatury kinowej, to wobec kompletnej urządzanej widowni, kino mogłoby być w każdej chwili uruchomione. Stworzyłoby to jeszcze jedną atrakcję w Darłowie, mogącą

*przyciągnąć coraz to nowych osiedleńców.*

*Realizacja tego projektu przypadła na początek 1946 r. Lokal kina miał kompletnie urządzone wnętrza, za wyjątkiem braku aparatu projekcyjnego. Zanim lokal ten oddano właściwemu przeznaczeniu tj. wyświetlaniu filmów, sala kinowa bardzo często była wykorzystywana przez amatorskie zespoły teatralne, jak również stawała się miejscem zebrań darłowiaków przybywających na różne uroczystości.*

*Niejednokrotnie, korzystały z sali radzieckie zespoły teatralne. Było to zawsze nieodpłatne użyczenie obiektu. Podczas jednego takiego „użyczenia”, kino darłowskie poniosło dość poważną stratę. W pierwszych miesiącach 1946 r., z racji jakiejś rocznicy, przyjechał do Darłowa radziecki zespół żołnierskiego teatru. Miał on przygotować wieczór radzieckiej pieśni i tańca dla miejscowego garnizonu. Nie mogłem odmówić prośbie użyczenia sali kina, lecz zastosowałem pewne środki ostrożności. Występy artystyczne przeciągnęły się do późnej nocy, a wczesnym rankiem, w kilka godzin po odjeździe teatru poinformowano mnie, że „zniknęła” piękna kurtyna pluszowa oraz że została pozrywana draperia w lożach. W toku przesłuchania osób odpowiedzialnych za bezpieczeństwo sali, okazało się, że sprowokowano jakąś awanturę, żeby odwrócić uwagę pilnujących. Nie odzyskałem nigdy zagrabionych rzeczy, gdyż zespół żołnierski, który dał „gościnny” występ w Darłowie, wyjechał ze swoimi występami na Zachód.*

*W sprawie dokonanej grabieży w kinie, korzystając z telefonu polowego, zatelefonowałem do odpowiednich władz wojskowych w Koszalinie. Wysłałem dokładny opis przykrego zdarzenia, domagając się wszczęcia śledztwa i zwrotu zagrabionych rzeczy. Mimo przyrzeczenia, że radzieckie władze wojskowe uczynią zadość mej prośbie – nie zwrócono zagrabionych rzeczy. W taki oto sposób, stałem się bogatszy o jedno smutne doświadczenie.*

**Tak początki Kina Bajka wspomina ówczesny burmistrz Darłowa - Stanisław Dulewicz w swoich Pamiętnikach na str. 74-75.**

Dzięki Grzegorzowi Chmieleckiemu, który lubi „grzebać” w historii Pomorza Zachodniego, możemy zobaczyć jak w roku 1948 wyglądała sala naszego kina.

Wynika z niej, że składała się ona z siedemnastu rzędów – z 322 miejscami dla widzów, do tego dochodziło pięć łoży z czego 3 – czteroosobowe i 2 – trzyosobowe – zapewniały dodatkowych 18 miejsc oraz balkon z 88 fotelami. Razem Kino Bajka mogło podjąć 428 osób.

Magda Burduk (DOK)